Guidance and Counselling / मार्गदर्शन एवं परामर्श

During the session 2024-25 Guidance and counseling committee was formed with the following members

1 Smt. Jasbir Kaur, PGT Commerce

2 Smt. Iqbal Kaur Gill, TGT Hindi

3 Sh. Kartikay Sharma, SPECIAL EDUCATOR

4 Smt. Manju Hooda, PET

During the session no. of guidance and counseling sessions were conducted. Sh. Kartikay Sharma was assigned the duty to undertake counseling session of the problematic students during the arrangement periods. He was given allotted separate periods to teach children with special needs in class I and in class VI.

Under the **AEP** Resource person **Bomali pandit** undertook four sessions with class VII.

Smt. Jasbir Kaur, Smt. Manju Hooda, Smt. Sukhdeep Kaur Bal and Smt. Anjali Topal hold guidance and counseling session with girls from class IX to class XII. In this session girls were made aware about the menstruation, healthy food habits and hygiene, hormonal changes during adolescent age and how to cope with them.

A special session with the boys of class IX to XII was taken by Sh. Kartikay Sharma. Thus, a complete and dedicated effort was made for the mental and physical development of the students.

Moral talk is being done by a teacher in the morning assembly on every Monday.

सत्र 2024-25 के दौरान निम्नलिखित सदस्यों की मार्गदर्शन एवं परामर्श समिति का गठन किया गया -

1) श्रीमती जसबीर कौर पी जी टी (वाणिज्य)

2) श्रीमती इकबाल कौर गिल टी जी टी (हिंदी)

3) श्री कार्तिकेय शर्मा (विशेष शिक्षा प्रदाता)

4) श्रीमती मंजू हुडा (पी ई टी)

सत्र के दौरान कई मार्गदर्शन और परामर्श सत्र आयोजित किए गए। श्री कार्तिकेय शर्मा को व्यवस्था अवधि के दौरान समस्याग्रस्त छात्रों के परामर्श सत्र शुरू करने का कर्तव्य सौंपा गया था। उन्हें कक्षा पहली और कक्षा छठी में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए अलग-अलग अवधि आबंटित की गई ।

ए ई पी रिसोर्स पर्सन के तहत मैडम बोमाली पंडित ने सातवीं कक्षा के साथ चार सत्र लिए।

श्रीमती जसबीर कौर, श्रीमती मंजू हुडा, श्रीमती सुखदीप कौर और श्रीमती अंजलि टोपाल ने नौवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा तक की लड़कियों के साथ मार्गदर्शन और परामर्श सत्र आयोजित किए। इन सत्रों में लड़कियों को किशोरावस्था के दौरान मासिक धर्म, स्वस्थ भोजन की आदतों और स्वच्छता, हार्मोनल परिवर्तनों के बारे में जागरूक किया गया। किशोरावस्था और उससे निपटने के उपाय भी बताए गए।

श्री कार्तिकेय शर्मा द्वारा कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के लड़कों के साथ एक विशेष सत्र लिया गया। इस प्रकार छात्रों के मानसिक और शारीरिक विकास हेतु एक संपूर्ण और समर्पित प्रयास किया गया।

प्रत्येक सोमवार को प्रातःकालीन सभा में एक शिक्षक द्वारा नैतिक चर्चा की जा रही है।